This question paper contains 1 printed page.

Roll No. :

Unique Paper Code : 62134309

Name of the Paper : Sanskrit Drama

Name of the Course : B.A. (P), Sanskrit, DSC, LOCF

Semester : III

Duration : 3 Hours

Maximum Marks : 75

टिप्पणी:

1. इस प्रश्न-पत्र का उत्तर **संस्कृत** या **हिन्दी** या **अंग्रेजी** किसी एक भाषा में दीजिए, परन्तु सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

2. इस प्रश्नपत्र में कुल 6 प्रश्न हैं। इनमें से किन्हीं 4 प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सबके अङ्क समान हैं।

Note:

- **1.** Answers should be written in **Sanskrit** or in **Hindi** or in **English** but the same medium should be used throughout the paper.
- 2. There are total 6 questions in this question paper. Attempt any 4 questions. Each question contains equal marks.

- 'अभिज्ञानशाकुन्तलम्' के चतुर्थ अङ्क के महत्व को स्पष्ट कीजिए|
 Explain the importance of the fourth act of 'Abhijnanashakuntalam'.
- 2. प्रतिमा नाटक के प्रथम एवं तृतीय अंक का सार लिखिए। Write the summary of first and third act of pratima nataka.
- 3. संस्कृतनाटकों के उद्भव एवं विकास पर निबन्ध लिखिये। Write an essay on the origin and development of Sanskrit Natakas.

- 4. 'अभिज्ञानशाकुन्तलम्' के चतुर्थ अङ्क के आधार पर शकुन्तला एवं कण्व- ऋषि के बीच हुए संवादों का वर्णन विस्तार से कीजिए ।
 - Discuss the conversation in detail that took place between Sage Kanva and Shakuntala in the fourth act of 'Abhijnanashakuntalam'.
- 5. विशाखदत्त एवं भास के नाटकों का परिचय प्रस्तुत कीजिए। Give the introduction of dramas written by vishakhadatta and Bhasa.
- 6. नाटक, स्वगत ,विदूषक , भरतवाक्य . विष्कम्भक एवं नान्दी इन पदों का परिचय दीजिए । Give the brief introduction of : नाटक, स्वगत,विदूषक , भरतवाक्य . विष्कम्भक and नान्दी .